

मुख्यमंत्री ने गांधी जयंती के अवसर पर दो नए पुरस्कारों की घोषणा की

चर्चा में क्यों?

2 अक्टूबर, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गांधी जयंती के अवसर पर देश के ख्यातनाम रंगकर्मी, नाटककार और निर्देशक स्वर्गीय हबीब तनवीर तथा साहित्यकार व पर्यावरणवादी स्वर्गीय अनुपम मशिर के नाम से पुरस्कार पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दोनों वभूतियों के नाम से पुरस्कार दिये जाने की यह घोषणा रायपुर के शहीद स्मारक भवन में गांधी, युवा और नए भारत की चुनौतियों वषिय पर आयोजित कार्यक्रम में की।
- गौरतलब है कि प्रसिद्ध रंगकर्मी, नाटककार और निर्देशक स्वर्गीय हबीब तनवीर का जन्म 1 सितंबर, 1923 को रायपुर में हुआ था। वे शिक्षा हासिल करने के बाद 1945 में मुंबई चले गये और प्रोड्यूसर के तौर पर आकाशवाणी में नौकरी शुरू की। वहाँ रहते हुए उन्होंने हिनदी फलिमों के लयि गाने लखिे। कुछ फलिमों में अभनिय भी कयि। कई नाटकों की रचना की।
- हबीब तनवीर को कई अवार्ड एवं वर्ष 2002 में पैं वभूषण सम्मान मलि। वे 1972 से 1978 तक राज्यसभा के सांसद भी रहे। उनका नाटक चरणदास चोर, एडनिवर्ग इंटरनेशनल ड्रामा फेस्टविल (1982) में पुरस्कृत होने वाला पहला भारतीय नाटक था। उनकी प्रमुख कृतयिों में आगरा बाजार (1954), चरणदास चोर (1975) शामिल हैं।
- जाने माने लेखक, संपादक, छायाकार और गाँधीवादी पर्यावरणवादी स्वर्गीय अनुपम मशिर का जन्म महाराष्ट्र के वर्धा में सरला मशिर और प्रसदिध हनिदी कविभवानी प्रसाद मशिर के यहाँ सन् 1948 में हुआ।
- उन्होंने दलिली वशिववदियालय से 1969 में संस्कृत से स्नातकोत्तर कयि और इसके बाद वे दलिली स्थति गाँधी शांतप्रतिष्ठान से जुड़ गए। पर्यावरण के लयि वह तब से काम कर रहे थे, जब से देश में पर्यावरण का कोई वभाग नहीं खुला था। उनकी कोशशि से सूखाग्रस्त अलवर में जल संरक्षण का काम शुरू हुआ, जसै दुनयि ने देखा और सराहा।
- उन्हें वर्ष 2007-2008 में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चंदरशेखर आजाद राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानति कयि गया। वर्ष 2011 में उन्हें देश के प्रतिष्ठति जमनालाल बजाज पुरस्कार से नवाजा गया। वर्ष 1996 में इंदरि गाँधी पर्यावरण पुरस्कार से भी सम्मानति कयि गया।